****समर्पण****

बाबा स्वर्गीय भोला ईसर

आ

नाना श्री हरेराम चौधरीक

चरण कमलमे
ई पुष्प सादर समर्पित अछि

** मोनक बात। **

नेनाक हिया बड कोमल होइ छै ।खिस्सा-पिहानी, खेल-कूद, घूमब-फिरब, नीक-नीकुत खाएब-पीयब आ निश्तुकी भऽ सूतब थिक नेनपन ।नेनपनक अतुलित आनंदकेँ समेटैत नेनाक हिया आ ठोर धरि पहुँचै बला साहित्य थिक बाल साहित्य ।जेना माँछीक चलबाक कोनो निश्चित दिसा नै छै तहिना नेनाक मोन कखन कोन रससँ भरि जेतै, से निश्चित नै अछि । एहि कारणसँ नेनाकेँ आनंदित करै बला साहित्य रचब कठिन काज लगैत अछि ।

हमर उमरि जते अछि ओतेमे हम नेनपनसँ बेसी दूर नै गेल छी । एखनो मोन बचकाउने अछि ।जाहि पेशामे छी ताहिमे प्रतिदिन लगभग दस घंटा नेनाक संग रहैत छी ।इएह कारण अछि जे बाल रचना बेसी उसरैत अछि ।विद्यालयमे योगदान देलाक बाद जखन छात्र-छात्राकेँ पता चललै जे हम लिखैत छी तँ ओ सब कविता सुनेबाक लेल आग्रह करऽ लागल ।ओनाहितो पढ़ेबाक क्रममे गम्भीर विषयकेँ हल्लुक बनेबाक लेल खिस्सा, कविता वा चुटकुलाक प्रयोग करबाक सलाह देल जाइत अछि ।जे जेना, हम नेना सबकेँ अपन कविता सुनेनाइ प्रारंभ केलहुँ ।अपन भाषामे कविता सुनि सब आनंदित छल आ फरमाइस सेहो खूब हुअ लागल । वर्ग आठक छात्रा साक्षी कुमारीक कहब अछि " हमरा सबकेँ मैथिली पढ़बाक लेल नै भेटैत अछि ।जानि नै किए हिन्दी कविता सब याद करैमे बड मेहनत करऽ पड़ैत अछि मुदा मैथिली कविता जल्दीए याद भऽ जाइत अछि ।" एकर कारण बतबैत दिव्या भारतीक कहब अछि " गाम-घरक भाषा मैथिली अछि आ तेँ मैथिली मोन खुश कऽ दैत अछि ।एहि कविता सभक शब्द हल्लुक लगैत अछि तेँ एकै बेरमे याद भऽ जाइत अछि ।" एहि तरहेँ छात्रक बीच मैथिली सुनबाक होर लागि गेल ।फरमाइस होइत रहल आ एखन धरि हम नियमित बाल कविता रचि रहल छी।

एहि कविता सबकेँ पुस्तकाकार होइत देख आनंदित छी ।हम आभारी छी श्री शिवकुमार जा 'टिल्लू' जीक जे समय निकलि आमुख लिखलनि ।भाइ बालमुकुन्द पाठक आ मुकुन्द मयंक पोथीक प्रकाशन लेल पटनाक सब काज अपन माँथपर लऽ लेलनि, हम हिनको आभारी छी ।संगहिँ हम आभारी छी छात्र-छात्राक जे कविता सुनलनि, सुनेलनि आ लोकप्रिय बनेलनि ।

एकटा नियोजित शिक्षक लेल पोथी छपेबाक सपना देखब बड मुसकिल आछि ।बड मेहनतक बाद बनल ई पोथी अहाँ सभक हाथमे अछि ।एहिमे नेनासँ लऽ कऽ चौदह वर्षक छात्र-छात्राक लेल कविता संकलित अछि ।हमर मेहनत कते सफल भेल तकर निर्णय अहाँ सबपर छोड़ैत आशा करैत छी जे अहाँ एकरा पढ़ब, पढ़ायब आ नेना-भुटका धरि मैथिली पहुँचायब ।सुझाबक बाट जोहैत हम

अमित मिश्र
करियन
6/05/2015

******परिचय*******

नाम- अमित मिश्र
पिता- नविन कुमार मिश्र
जन्म- 11/01/1993
शिक्षा- स्नातक (गणित), सी. एम. साइन्स काॅलेज, दरभंगासँ
पेशा- प्रखण्ड शिक्षक, "मध्य विद्यालय करियन"मे
संपर्क-
ग्राम+पो•- करियन

भाया- इलमासनगर
जिला- समस्तीपुर
पिन- 848117 (बिहार)
ईमेल- amit11193@gmail.com
मोबाइल- 09122105183
प्रकाशित कृति- नव अंशु (मैथिली गजल)
मैथिली दर्पण, मिथिला दर्पण, मिथिला दर्शन, अप्पन मिथिला, मिथिला आवाज, मिथिलांचल टूडे, दैनिक भास्कर, प्रभात खबर संग दर्जनो पत्र-पत्रिकामे रचना प्रकाशित ।रेडियो आ एलवममे गीत लेखन ।
* छअ टा पोथी अप्रकाशित

1
एकता

उड़य चिड़ैयाँ ऊँच गगनमे
बीस तीस टा बान्हि हुजूम
तहिना चुट्टी चलय पाँतिमे
टुटिते पाँति हएत जुलूम
चान, तरेगण संग उगि कऽ
सिखा रहल अछि पाठ एकटा
सदिखन सभक संगे रहू
एकरा कहल जाइछ एकता

2
संतुलित आहार

स्वस्थ जीवनक इएह वेवहार
नित लिअ संतुलित आहार

आलू कोबी सीम मटर
गाजर मुरइ लाल टमाटर
हरियर सागक करू जोगार
नित लिअ संतुलित आहार

गहूँम मकइ नै करू कात
मूंग मसुरी दालि आ भात
संगे पापर घी अचार
नित लिअ संतुलित आहार

माँछ मटन आ अंडा चिकेन
पाकल फल दूध आ मक्खन
साँझ-भोर निश्चित सचार
नित लिअ संतुलित आहार

चाट समौसा चाउमिन छोड़ू
साफ-सफाइसँ नाता जोड़ू

बासी गंदा करय बेमार
नित लिअ संतुलित आहार

3

छुटि गेलै बदमाशी

रामू खरहा गुल्लू गदहा
आगू नाथ ने पाछू पगहा
खेलै जा कऽ गाछी जी
खूब करै बदमाशी जी

भोरे भागय साझे आबय
ककरो कोनो बात ने मानय
खेलै खेल पचासी जी
खूब करै बदमाशी जी

पोथी केर मुँहों नै देखय
इस्कूल दिस जेबो नै करय
एक दिन चढ़लै फाँसी जी
छुटि गेलै बदमाशी जी

संगी सबसँ झगड़ा केलकै
दुनूकेँ सब खूब पिटलकै
गेलै आदति काशी जी
छुटि गेलै बदमाशी जी

नै बदमशी नै हो रगड़ा
ककरोसँ कखनो नै झगड़ा
दोस्ती होइ बरहमासी जी
नै करब बदमाशी जी

4

छुटकू बाबू

खूब करै छै घिच्चम-तिर्री
फाटलै पन्ना चिर्री-चिर्री
के आनलकै एकरा आइ
छुटकू बाबू तिख मिरचाइ

खूब उठल छै उर्री-बिर्री
पोथीपर फेकलकै पूरी
सौंसे खीर खसेने जाइ
छुटकू बाबू तिख मिरचाइ

चुप्पे आबि कन्हापर बैसी
बहुत जोरसँ केश घिचै छी
खूब हँसै छी नोर बहाइ
छुटकू बाबू तिख मिरचाइ

सूतै बेर सुतऽ नै दै छी
पढ़ै बेर पढऽ नै दै छी
तंग करी उत्पात मचाइ
छुटकू बाबू तिख मिरचाइ

छुटकू बाबू नन्हकू बाबू
पढ़ै बेर अहाँ नै आबू
तंग-तंग कऽ देलौं आइ
छुटकू बाबू तिख मिरचाइ

5

आबें मम्मी आबें गै

आबें मम्मी आबें गै
कनिञो नै अलसाबें गै
चूड़ीबाला आयल छौ
चूड़ी आरो पायल छौ
बलहा बाली कीनै छौ
मोटकी छौड़ी छीनै छौ
हमहूँ लेबौ अगता
बाला आ अलता
पीन्ह-ओढ़ि चलबौ
खूब सुनर लगबौ

6

चलय हथिबा धम्मक धम्म

चलय हथिबा धम्मक धम्म
नाचय बनरा छम्मक छम्म
जंगल करय गम्मक गम
बाजय ढोलकी ढम्मक ढम
करय फतिंगा झम्मक झम
बऽल बरै छै चम्मक चम
दुलही घोड़ी छम्मक छम
दुलहा घोड़ा बम्मक बम

7

बड़ा अगती बड़का लुती

भोरे भोर उगै छै सूरज, डुबै छै जा कऽ साँझमे
साँझ-भोर तँ ठंढे रहै, गरम रहै छै माँझमे

भोरे पूरब साँझे पश्चिम आ दुपहरमे माँथपर
चारू दिसा घुमै छै ओहिना जेना हो बैसल जाँतपर

कखनो उगलै आगि बहुते, कखनो बरफ पहाड़पर
कखनो सुटकै मेघ तर आ कखनो निकलै ताड़पर

भीजल कपड़ा-लत्ता तकरो गाड़ि-गाड़ि कऽ पीबै छै
पोखरि-झाँखरि पीब-पीब कऽ नदियोकेँ सुखाबै छै

बड़ा अगत्ती बड़का लुत्ती, बहुत दूरपर रहै छै
सूरज दादा सूरज दादा बौआ-बुदरूक कहै छै

8

दाइ बाजय माइ बाजय

घोड़ा बाजय गाय बाजय
आरो खुदरा पाइ बाजय
पाइ खातिर हाटपर
सर्कस बला भाइ बाजय
सर्कसमे छै घोड़ा
घोड़ा उपर बोरा
बोरापर बानर
तैपर बिलाइ बाजय
सर्कस बला भाइ बाजय

कल्हि बाजय आइ बाजय
नीक गप माय बाजय
दूध लेल खाटपर
भोरे भोरे दाइ बाजय
दाइ लेतै तिलबा
हम लेबै मुँगबा
तिलासँकरातिमे
सीरक तर लाइ बाजय
दाइ बाजय माइ बाजय

9

आइ करै छी फेर बहन्ना

चल गै मुनिया चल रौ मुन्ना
आइ करै छी फेर बहन्ना
पोखरि-झाँखरि खूब नहायब
मारब माँछ बनायब सन्ना

पाँच मिनटक छुट्टी माँगब
पाँच बजे धरि घुरि नै आयब
गाछी-बिरछी घूमब-फीरब
रंग-बिरंगक खेल रचायब
देखिहें एतै मजा दुगुन्ना

झटहा मारि टिकुला तोड़ब
किसनभोगक भोग लगायब
जखने कोइली करतै कू-कू

ओकरा संगे हमहुँ गायब
नाचतै बोझा टुटतै जुन्ना

देवलोकसँ परी उतरतै
संगे खेलतै संगे नाचतै
आनतै मधुर-मिठाइ बहुते
जखन ओ घर जाए लागतै
कहबै हमरो घुमा दे चन्ना

10
गणित

दू गोटीकेँ संग मिलाउ
मिला मिला कऽ जोड़ बनाउ
दू टासँ एगोकेँ हटाउ
हटा हटा कऽ करू घटाउ

बेर बेर एकहिँकेँ जोड़ू
जोड़ि जोड़ि कऽ गुणा बनाबू
बेर बेर एकहिँकेँ घटबू
घटा घटा कऽ भाग बनाबू

एहिना बौआ डेग बढ़बू
गणित संग सम्बन्ध बनाबू

11
हमर देवी जी

बात बजै छथि बहुते सुनर हमर देवी जी
सब काजक छथि रखने हुनर हमर देवी जी

खुलिते इस्कूल सबसँ पहिने
देवी जी आबै छथि
साफ-सफाइ, व्यायाम-प्रार्थना
सब दिन ओ करबै छथि
भरि इस्कूलमे सबसँ प्रियगर हमर देवी जी

जोड़-घटाव, गुणा-भाग
भाषा धरि पढ़बै छथि
खिस्सा-पिहानी, गीत-पहेली
सबटा ओ सुनबै छथि
असान करबथि प्रश्न भरिगर हमर देवी जी

सब बच्चाकेँ खूब मानै छथि
ककरो नै मारै छथि
अन्तिम घण्टी खेल करै छथि
बच्चा संग खेलै छथि
संगे पकड़थि तितली पियर हमर देवी जी

12
बात बजै छी तुलबुल तुलबुल

खूब करै छी हुलचुल हुलचुल
बात बजै छी तुलबुल तुलबुल

बाजय जुता पोंइ पोंइ पोंइ
हवा करै छै सोंइ सोंइ सोंइ
बनल रहै छी चुलबुल चुलबुल
बात बजै छी तुलबुल तुलबुल

लेब तरकारी ? नै नै नै
चिन्नी-मिसरी दै दै दै
दूध बेरमे कुलबुल कुलबुल
बात बजै छी तुलबुल तुलबुल

एक ठाँ बैसब ? नै नै नै
घुमले फीरब गै गै गै
माए-बाबूक बुलबुल बुलबुल
बात बजै छै तुलबुल तुलबुल

13
ठोर किए लाल

बाज सुगा बाज तोहर ठोर किए लाल
गर्दनिमे चेन्ह किए हरियर छौ गाल

भोरे उठै छें, राम-राम करै छें
लोडिया मिरचाइ किए खूबे चुसै छै
पड़ल रहौ किए मिसरीक थाल
बाज सुखा बाज तोहर ठोर किए लाल

छोटका पिंजरबामे पंखिया उराबें
किओ किछु बाजै तूँ तकरे दोहराबें
दै छें जबाब नै, उनटे सवाल
बाज सुगा बाज तोहर ठोर किए लाल

हमरे बाट तूँहूँ ताकिते रहै छें
आबियौ नै लग तँ हल्ला करै छें
दुनू गोटाक छै बैसल सुर-ताल
बाज सुखा बाज तोहर ठोर किए लाल

14
तूँ मनुख बन

डर तोरा नै पछारि सकौ
हिया नै तोहर हारि सकौ

जीत होउ, ने होउ पतन
तूँ मनुख बन, तूँ मनुख बन

प्रीत बनि बेसी पसर नै
घृणा बनि बेसी चतर नै
रह सदति जहिना पवन
तूँ मनुख बन, तूँ मनुख बन

ठानि ले एक बेर तूँ जे
कर सफल, भऽ जाउ जे से
काज बड, लघु छै जीवन
तूँ मनुख बन, तूँ मनुख बन

जन्मसँ ने किओ मनुख होइ
आनक दुखसँ जकरा दुख होइ
सभक हित लेल कर जतन
ई मनुख बन, ई मनुख बन

15

चान केर अंगा

चान कहैत अछि, मम्मी, हमरा सिया दे एकटा अंगा
भऽ रहलौं जुआन आब हम, नङटे लागी बेढंगा

संग किछु नै राखि पाबै छी, कोपी, कलम, रजिस्टर
तेँ अंगामे दस-बीस जेबी, सब होइ नम्हर-चौड़गर

माँ, गर्मी केर चिन्ता नै अछि, अपने छी हम शीतल
मुदा जानै छी हमहीं जननी, जाड़ कोना कऽ बीतल

ठिठुरि ठिठुरि कऽ काहि कटै छी, कहुना गुजर करै छी
सुरजो दादा भागि जाइ छथि, हकन नोर कनै छी

हमर हालसँ दुखित हेबें तूँ, करैत हेबें बड चिन्ता
माएक ममता खतम भऽ जेतै, एतै नै एहन अदिन्ता

सब चिन्ताकेँ नाश करें तूँ, खर्च करें किछु कँचा
सिया दे हमरा अंगा जननी, लऽ ककरोसँ पँचा

माँ कहलनि, सुन रौ बौआ, अछि कँचा केर नै खगता
खन छोट खन पैघ बनै छें, नाप कोना लऽ सकता !

चन्ना बाजल, बेटा तोहर, पढ़ल-लिखल छौ वुधिगर
तीस दिनक लेल तीस टा अंगा, सिया छोट आ नम्हर

सिया गेलै चन्नाकेँ अंगा, पहिर-पहिर होइ हर्षित
खूब शानसँ घुमैए नभमे, ठिठुरनसँ भऽ वंचित

16

रौ मुसबा किए अभरलें ?

गाल सेद कऽ लाल कऽ देबौ, उखारि लेबौ तोर टीक
एक धमक्का देबौ जखने, दिमाग हेतौ तोर ठीक
रौ मुसबा किए अभरलें ?
तूँ पोथी किए कचरलें ?

कान कनैठी मंगल बैठी, भेटतौ जखने ई दण्ड
वा बनबे तूँ मुर्गा-मुर्गी, तँ हेबें शान्त उदण्ड
हमरा तूँ बडा अखरलें
तूँ अंगा किए कतरलें ?

डेन पकड़ि स्कूल लऽ चलबौ, नवकी मैडम लग
भेटिते हुनक सजाय रौ बौआ, मुतबें भरि-भरि मग
खा-खा खूब मलरलें
पिनसिन किए दकरलें ?

नाङरिकेँ भुजिया कऽ देबौ, लेबौ मोछ उपाड़ि
मोगली बान्ह बान्हि देहपर, घोरन देबौ झाड़ि
बस्ता किए दकरलें ?
छत्ता किए कतरलें ?

आइ हम नै तोरा छोड़बौं, दऽ दे कतबो दाम
आइ दिनसँ एहन काजकेँ, करबे दुरहिंसँ प्रणाम
की कनिको चालि सुधरलौ ?
वा आदत फेर पलरलौ ?

17

सुनू विनती भगवान

सुनू-सुनू विनती भगवान
दिअ बस एतबे वरदान
जन-जनकेँ भेटय ज्ञान
पशु पक्षी धरि नै अज्ञान
मुर्गा बाँचय वेद-पुराण
सुग्गा नित दिन पढ़य कुरान
देवालय बनय बथान
दिअ बस एतबे वरदान

स्वर्गक धरती हिन्दुस्तान
एकरा लेल दऽ दी बलिदान
दुश्मनक लऽ ली जान
दिअ शक्ति एते भगवान
पैघक करी हम सम्मान
ककरो नै करी अपमान
प्रभु करी अहाँक गुणगान
चमकय सदिखन मोर खानदान

अंतिम कऽ दिअ ओरियान
कम पढ़लापर बेसी ज्ञान
किओ रोकय नै जा खरिहान
खेला खेली नव-पुरान
बनी भरि दुनियाँक चान
दिअ बस एतबे वरदान

18

पटरी लऽगसँ दूरे रह

छुक छुक छुक छुक ट्रेन चलै छै
भुक भुक भुक भुक बत्ती बरै छै
तेजीसँ सब ट्रेन चलै छै
पों-पैं पों-पैं भोंपू बजै छै
देख दूरसँ आबि रहल छौ
गड़ गड़ गड़ गड़ बाजि रहल छौ
खसलौ गुमती हटले रह
पटरी लऽगसँ दूरे रह
धक्का लगैसँ बचले रह

19

गुड़-गुड़-गुड़ गुड़कुन्ना दे

गुड़-गुड़-गुड़ गुड़कुन्ना दे
गड़-गड़-गड़ गुड़केतौ गे
धर-धर-धर चुनमुन्नीकेँ
फर-फर-फर फड़फड़ेतौ गे
ढिल-ढिल-ढिल ढील दे
उड़-उड़-उड़ उड़ि जेतौ गे
चुर-चुर-चुर चुरलाइ दे
कड़-कड़-कड़ कड़कड़ेतौ गे
अंग-अंग-अंग अंगूर दे
खच-खच-खच खा लेबौ गे
कित-कित-कित किताब दे
पढ़-पढ़-पढ़ पढ़ि लेबौ गे
गुड़-गुड़-गुड़ गुड़कुन्ना दे
खट-खट-खट खटखटेबौ गे

20

बाल तूँ आब ज्वाल बन

धरतीपर अभरौ तोरा दुखक छोटो चेन्ह जतऽ
छै कतौ स्वर्ग तँ उतारि आन तूँ ओतऽ

छेँ बाल तूँ आब ज्वाल बन
आ दूर कर पसरल रुदन

तूँ सूर्य बन तूँ दीप बन
आबें भगा दे तम सघन
कतौ भेटौ तीव्र जलन तँ शीत बनि बरिसें ओतऽ
छै कतौ स्वर्ग तँ उतारि आन तू ओतऽ

आँखिमे सपना जे देखल
भऽ सकल नै लक्ष्य बेधल
तीर बनि आब तूँ निकल
आ बेध कुरीतक तन सबल
छै कतौ जीवन मरैत तँ तूँ सुधा बनि खस ओतऽ
छै कतौ स्वर्ग तँ उतारि आन तूँ ओतऽ

तूँ भगवानक रूप धेने
शक्ति छौ नि:शक्तो भेने
नाँघि जो पर्वत, मरू तूँ
शत्रु दलक संहार केने
छै कतौ बैसाखी तँ स्तम्भ बनि ठाढ़ हो ओतऽ
छै कतौ स्वर्ग तँ उतारि आन तूँ ओतऽ

21
जंगलमे क्रिकेट

शेरखानक शाही फिल्डमे आयोजित क्रिकेट
बनि एम्पायर ठाढ़ जिराफ, सियार लेने सिलेट
हाथीक हाथ बैट शोभै आ माँथ पर भारी हेलमेट
पहिले गेन लागलै मुर्गीकेँ बनल ओकर आमलेट
खूब दौड़ेलक सबकेँ हाथी मारि मारि चौका-छक्का
दोसर टीमक होश उड़ल छल हौ कक्का हौ कक्का
दोसर टीमसँ बानर एलै करिया चश्मा चढ़ेने
बालिंग करै लए हाथी एलै पूरा जोर जुटेने
सूढ़ नचा कऽ हाथी जखने पहिला गेन फेकलकै
सीधे जा चश्मापर लागलै बुकनि भऽ छिड़ियेलै
दोसर गेन माँथपर खसलै पैघ ढेढर उगि गेलै
तेसर, चारिम छुटिये गेलै पाँचमसँ टाँग तोड़ेलै
ग्रहण जानपर लागल छलै, खेलक भूत उतड़लै
जा धरि हाथी छठम फेकितै , बानर ओतऽसँ पड़ेलै
जंगलमे क्रिकेट नै भेलै, भऽ गेलै रंगमे भंग
खेल करबें तँ झगड़ा जुनि कर, खेलें सभक संग

22
सूरज धरि एक पाइप लगा दी

पूव उगै छथि दिनकर भैया, पश्चिममे भऽ जाइ छथि अस्त
भरि दिन दौड़थि मेहनत करथि, होइ छथि नै कनिको पस्त

ओ छथि तँ धरती छै आ छै जीवनक चक्र चलैत
गाछ-बिरिछ मुस्कैत गाबैत आ मेघक घर पानि बनैत

लू चलैत गर्मीमे देखू चलिते रहै छथि ओ अनवरत
पियासे जान जाइत हेतै चलू पियाबी पेप्सी शरबत

नील गगनमे गाछो नै छै, छाहरिकेँ नै नाम-निशान
फट्ठी, खरही लेने चलू बना देबै एक छोट मचान

भोरे-भोर जे अर्घ्य दैत छी, पी लै छै धरती माता
सूरज धरि एक पाइप लगा दी, जूड़ि जेतै सीधे नाता

जँ हुनका भोजन नै भेजबै, बनि जेताह कमजोर अगन
भूखल पेटमे तामस उठतनि, लगा देताह सबदिना सूर्यग्रहण

23
हाथी गेलै भोज खाए

एक जंगलमे पण्डीत हाथी
खाली सदिखन पेटक भाथी
एक बेर बकरी केलकै व्रत
भोजनमे एलै हाथी मस्त
भोजनमे आलूक परौठा
खा रहलै चाटि-चाटि औंठा
आँटा खतम आलू निंघटल
पेट एखन आधो नै भरल
घामे-पसीने बकरी कानै
खाली पेट तँ भोजन जानै
अन्तमे बकरी केलक प्रणाम
धन्य प्रभु !आब दियौ विराम
हाथी बाजल "हम नै मानबौ"
और खेबौ, घरो लऽ जेबौ
कानै बकरी, हाथी बजा कऽ
खाइ छै हाथी सूँढ़ नचा कऽ

24
धरती लागतै सजल बरियात

कीन दे एकटा बड़का झोड़ा
भरबै ओहिमे काजक चीज
गरमी आबिते गरमी भरबै
सरदीमे भरि लेबै शीत

मेघ करिकबा बहुते भरबै
भरबै रंग पनिसोखाक सात
आबिते वसन्त भरतै झोड़ा
मज्जर, फूल आ हरियर पात

सबटा झोड़ा सैंत कऽ राखबै
खोलबै जखने पड़तै काज
गरमीमे सरदी बला खोलबै
हारि जेतै गरमी बला राज

तहिना सरदीमे गरमी बला
सुखारमे कऽ देबै बरिसात
सब दिन गमगम फूल गमकतै
धरती लागतै सजल बरियात

रहतै सदिखन समान मोसम
सब दिन खेबै ओरहा कुल्फी
छत्ता, स्वीटर, पंखा छोड़बै
फैसनेवुल कपड़ा फहड़ेबै जुल्फी

25
लऽ जेथिन बजार

भरि भरि दौरी
पापड़ तिलौरी
तिलौरीमे नोन
खेतपर जोन
जोन संग बाबू
धान रोपि आबू
धानक नव चूरा
भरल छै बोरा
नोन मिरचाइ
भूजा भुजाइ
बाबू जी एथिन
संग भूजा खेथिन
करथिन दुलार
लऽ जेथिन बजार

26
मेघ राजा जल्दी आ

मेघक राजा जल्दी आ
बाल्टी भरि भरि पानि ला
सुखलै आम, मौलाएल लताम
मरल जन्तुकेँ आबि जिया
मेघक राजा जल्दी आ

पियासल धरती कानै छै
सूरज सीमा फानै छै
मोर-मोरनी आब नचा

बेंगक सऽख जल्दी पुरा
मेघ राजा जल्दी आ

देबौ तोरा दूध-भात
तिलकोरक तरूआ भरल पात
झट बिजुरी चमकेने आ
गड़-गड़ शोर मचेने आ
सूरजकेँ ठण्ढेने आ
गर्मी दूर भगेने आ
मेघ राजा जल्दी आ

27
अल्लू जी लल्लू जी

सेन्ट-पेन्ट रचि-रचि साज-श्रृंगार
अल्लू जी, लल्लू जी गेलनि बजार
बीच्चे बजारमे हलुवैया दोकान
गमलामे साजल रंगबिरही मिष्ठान
अल्लू जी लऽग नै एक्को रूपैया
लल्लू जी खेतथि कोना मिठैया
चोरीसँ अल्लू जी हाथ बढ़ेलनि
एकटा रसगुल्ला जखने उठेलनि
दोसर हाथसँ बिढ़नी उड़ेलनि
काटलक बिढ़नी लोहछि चिचियेलनि
अल्लू जी, लल्लू जी भागल जाइ
पाछूसँ बिढ़नी खेहारने छै भाइ
काटि काटि बिढ़नी फुलेलकै तुम्मा
जोरसँ हँसलकै बौआ गुम्मा

28
बाट बरैत बत्ती

बाम कात धेने चलि जो तूँ
नेशनल हो वा गमैया बाट
नै तँ लागतौ धक्का कतौ
टूटतौ हड्डी धरबें खाट
होइते बत्ती टुहटुह लाल
जतै छें ओतै हो ठाढ़
होइते बत्ती लालसँ पियर
चलबा लेल भऽ जो तैयार
किछु पल चुप्पे बाट जोह आ
उनटा गिनती गाने सरकार
हरियरी जखने देखबौ बत्ती
झट दऽ चलि जो लक्ष्यक पार

बाट बरैत बतीकेँ देखें
जाने एकर सब बेबहार
खुशी भरल जीवन हेतौ आ
दुर्घटनारहित हेतौ संसार

29

उत्तर दिअ

धरती किए गोल गोल छै, चक्का किए गोल ?
लाला जीक धोधि किए मोटू गोल-मटोल ?
प्रश्न ई सूनि लिअ, यौ सरजी उत्तर दिअ

मनुखकेँ दू-दू टा हाथ, गायक हाथ बिलाएल ?
साँढ़केँ चारि-चारि टा टाँग, साँपक टाँग हेराएल ?
मोटगर पोथी लिअ, यौ सरजी उत्तर दिअ

चान सब दिन घटैत-बढ़ैत, सूरज एक समान
ग्रह-उपग्रह नाचै किए, भेलै नै कनियो पुरान ?
कोना चानक कुर्ता सीयऽ, यौ सरजी उत्तर दिअ

जंगलक राजा शेरे किए, फऽरक किए आम
फूलक राजा गुलाबे किए, बाँकी छै और नाम
सब रस भौंरे पीयऽ, यौ सरजी उत्तर दिअ

इस्कूल किए आबऽ पड़ै, किए नै घरे पढ़ाइ ?
छुट्टीपर छै धियान लागल, मोन किए अगुताइ ?
आइ सब प्रश्न लिअ, काल्हि अहाँ उत्तर दिअ

30

ज्ञानक बात

केला खाउ मुदा सम्हरि कऽ आगू खोंइचा फेकू नै
आगू बढ़नाइ नीक मुदा सदिखन उप्पर देखू नै
शान्त साँप तँ किछु नै करत अनेरे काठी भोंकू नै
तामस सदिखन खतरनाक अछि तें तामस लोकू नै
माए-बाप देव तुल्य छथि हुनकर कहल टारू नै
उमरिमे जे पैघ छथि हुनका प्रणाम करनाइ छोड़ू नै
जतबे भूख ओतबे भोजन झूट्ठे पेट फूलाबू नै
थारीमे जे रोटी-तीमन तकरा अहाँ छुताबू नै
सहपाठी सब भाइ-भाइ छथि नै लड़ू लड़बाबू नै
पोथी पक्का मीत यौ बौआ खेलैत समय बिताबू नै
गुरूजन केर अहाँ आदर करू गन्दा बात बाजू नै
साफ-सफैया सब ठाँ राखू जँहि-तँहि कूड़ा खसाबू नै
जे नीक लागय से माँगू अहाँ बिनु पुछने किछु चोराबू नै
ज्ञानक छै ई बात यौ बौआ बिनु पढ़ने पन्ना उनटाबू नै

31
तरेगणक जनम

फुक्का बाला फुक्का फूकै
भरि भरि हवा फूलाबै
ताहिमे दऽ नन्हकी कंकर
किछु जन्तर-मन्तर बाजै
फेर छोड़ैते पातर डोरी
हवा उपर लऽ भागै
एकटा दू टा सए हजार
बहुत रंगसँ नभ साजै
सबटा फुक्का उपर जा
चन्नापर ढाही मारै
फटाक फटाक फुक्का फूटै
सबटा कंकर छिड़ियाबै
इम्हर-उम्हर जिम्हर-तिम्हर
भुक-भुक इजोत देखाबै
एहिना जनमल सब तरेगण
राति कऽ देह चमकाबै

32
जखन होइ भोर

रे कागा जुनि कर एना शोर रौ
नव दिवसक जखन होइ भोर रौ

सबसँ पहिने जो दतमनि कऽ आ
खेत-पथारक जो दर्शन कऽ आ
शीतल पानिसँ मोन भरि नहा आ
माए देथुन तखन सोन्ह खोआ
जुनि बिसरें लगनाइ सबकें गोर रौ
नव दिवसक जखन होइ भोर रौ

मीठ बाज जुनि कर एते हल्ला
माँसु छोड़, फल-फूल भेटतौ ढल्ला
जुनि बनल रहें तू बेलल्ला
गाम-घरमे नै किओ तेहल्ला
पोति पौडर तूँ चाम कर गोर रौ
नव दिवसक जखन होइ भोर रौ

हमहूँ जेबै इस्कूल चल संगे
पाठशाला अनमन ज्ञानक गंगे
कात बैसिहें, जुनि करिहें तंग
पैघ लोक बनहें सीख ढंग

भोरे करिहें अ आ पढ़ि शोर रौ
नव दिवसक जखन होइ भोर रौ

33
अंशु बनि पसरि जाएब

कखनो कोरामे गाबैत हम
कऽ टऽ कऽ कखनो बाजैत हम
छी कोमल कमलक फूल मुदा
पाथर धरि कखनो फोड़ैत हम

देशक माँथ सजल हम पाग छी
कुल-खानदानक हमहीं भाग छी
छी भूत-भविष्य-वर्तमान हम
जन-जनकें जोड़ैत ताग छी

अंशु बनि हम तँ पसरि जाएब
सभक हित लेल हम चतरि जाएब
छी छोट मुदा अज्ञानी नै
खसितो-खसितो सम्हरि जाएब

अछि सप्पत हमर हारब नै
बिनु गलती ककरो मारब नै
बरु आगियेपर महल गढ़ब
मुदा घर ककरो जारब नै

सत्त बाटपर सदति बढ़ैत चलब
जीवन भरि हँसबैत हँसैत चलब
माएक दूधक सब कर्ज उतारि
देशक लेल सदिखन लड़ैत चलब

34
सर्कसमे हंगामा

मुसबाकें बदमाशी जागल
छोड़ि बस्ता इस्कूलसँ भागल
किछु मीत संग बनबैत रेल
खाइत आइसक्रीम सर्कस गेल
हाथी नाँचै किरकेट खेलै
बानर साइकिल रेस करै
आगि छोड़ैत बिलैया एलै
मुसबाकें देह काँपऽ लागलै
जान बचा कऽ मुसबा भागल
खाम्ह टूटल पंडालो खसल
माँथ पीटै छल मालिक मामा
सर्कसमे मचि गेल हंगामा

35
माएक बोली मैथिली

पढ़ि विज्ञान ज्ञान बढ़ा ले
गणित पढ़ि हिसाब बना ले
हिन्दी हिन्दुस्तानक भाषा
नित पढ़ैक हिस्सक लगा ले

पढ़ि संस्कृत देवताकेँ चिन्हबेँ
अर्थशास्त्र पढ़ि टाका बुझबेँ
नागरिक पढ़ब बहुत जरूरी
निज अधिकारक गप तूँ बुझबेँ

इतिहास तँ भूतकाल देखेतौ
भूगोल भरि ब्रह्माण्ड घुमेतौ
पर्यावरण तँ पढ़बे करिहेँ
गाछ-बिरिछसँ सम्बन्ध बनबिहेँ

जते विषय भेटौ सब पढ़िहेँ
पढ़ि-पढ़ि अपन ज्ञान बढ़बिहेँ
मुदा माएक बोली मैथिली बौआ
भोर-साँझ बस पढ़िते रहिहेँ
36
गोर लाग

बाबीकेँ गोर लाग, बाबाकेँ गोर लाग
नित भोर काकी-काकाकेँ गोर लाग
माएकेँ गोर लाग, बाबूकेँ गोर लाग
गुरुवर, पण्डित सब जेठकेँ गोर लाग
धरती संग दशो दिशाकेँ गोर लाग
आँखि मूनि प्रार्थना कऽ देवताकेँ गोर लाग
लागै जँ ठेस तोरासँ झट दऽ गोर लाग
ज्ञानक भीख माँगैत पोथी पतराकेँ गोर लाग
पोखरिकेँ गोर लाग, इनारकेँ गोर लाग
भोरे-भोर दोस आ दुसमनकेँ गोर लाग
भेटतौ आशीष, पौरुष बढ़िते चलि जेतौ
भोरे-भोर गौआँ-अनगौआँकेँ गोर लाग
37
अतुलित आनन्द

ठुमकि-ठुमकि हपकुनियाँ काटैत
खन हँसैत खन चिचिया कऽ कानैत
माँटिक जलखइ, कोइलाक कलउ
अबोध नेनपनक नवका चउ

पों-पें-पों- पें जुत्ता बाजैत
रुन-झुन डाँरक घण्टी गाबैत
भोरक फूल सन आँगनमे शोभैत
देवालय सन मोन-मंदीर लागैत

तोतरा कऽ कहुना बात बुझाबैत
निर्दोष चलनसँ सबकें हँसाबैत
देख अनचिन्हारकें झटपट पड़ाइ
माएक आँचर तऽर नुरिया कऽ नुकाइ

चंचल चित चहुँ दिश चैन पसारैत
किछु सीखैत किछु सबकें सीखाबैत
मोन होइ समयक गति भऽ जाए मन्द
सदिखन भेटै नेनपनक अतुलित आनन्द

38
सूरजपर पंचैती

जँ हम उड़न चिड़ैयाँ रहितौं
उड़ि जैतौं सूरज केर गाम
जा ओकरा किछु सबक सिखबितौं
पंचैती करितौं ठामे-ठाम

नीन खुजिते किए आगि बरसाबै ?
बहबै पंखा, कूलरकें घाम
ठण्ढ़ीमे किए नुका भागै छै?
भऽ जाइ छै दुनू नाक जाम

बड बदमाश ई बनल जाइ छै
माए नै दबारै तकर परिणाम
आबिते चन्नाकें खेहारि भगाबै
करै खानदानक नाम बदलाम

इस्कूल नै कहियो गेल हेतै
तें बुड़बक बनि टहलै गाम
देवी जीक थापड़ नै पड़ल हेतै
तें काज गलत करै सब ठाम

39
छुट्टीक बाद

निंघटि गेल सब मधुर-मिठाइ
अन्त भेल छठिक छुट्टी आइ
छूटल देर धरि फोंफ काटनाइ
भरि-भरि दिन नव खेल केनाइ

छुट्टीक बाद दुनियें बदलि जाइ
पीठपर बोझ बस्ताक उठाइ
इस्कूल जाए पड़तै दौड़ले भाइ

40

भरिगर प्रश्न

माँ, माँ एगो बात बता दे
सपना कोना कऽ आबै छै ?
भरि राति तरेगण चमकै छै
भोर होइते कतऽ भागै छै ?

गर्मीमे किए गरम छै धरती ?
ठण्ढ़ामे सब जमि काँपै छै
जखन सबकें खूब बर्षा चाही
तखन किए पाथर बरसाबै छै ?

हम खाइ छी भात, सोहारी
पशु, पशुएकें भोजन बनबै छै
लोके फोड़ै छै बम आ गोली
की ? ओ इएह उपजाबै छै ?

छौ छोट मुदा छै भरिगर प्रश्न
बेटा, ई ककरो समझ नै आबै छै
भगवानक छै सबटा किरदानी
वएह सबटा काज करबाबै छै

41

निनियाँ

निनियाँपुरसँ निनियाँ आबें
ढाकी भरि-भरि निनियाँ ल
...